

कांग्रेस मुख्यालय पर अजय राय का जोरदार स्वागत

प्रधानमंत्री की जीत का अंतर कम हो गया है जो उनकी नैतिक क्षति है : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

अवधनामा ब्लूरो



लखनऊ। लोकसभा चुनाव में वाराणसी से इडिंगा गठबंधन के उम्मीदवार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के लक्खनऊ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचने पर जारीदार स्वागत किया गया। श्री राय के प्रधानमंत्री ने रेन्डर मोदी की जीत का अंतर कम करने और प्रदेश में भाजपा को हराने की खुशी पटाखे फोड़ गये। इस दौरान प्रस्तुत अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री ने रेन्डर मोदी पर हमला करने हुए कहा कि प्रधानमंत्री की जीत का अंतर कम हो गया है जो उनकी नैतिक क्षति है। श्री राय ने समाजादी पार्टी के साथ गठबंधन का साधारणकारी बताते हुए कहा कि प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन जारी रहेगा, जिससे प्रदेश से भाजपा को उड़ाड़े को जा सके। इस मौके पर प्रतकर्ताओं को सम्मोहित करते हुए कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी

घरेलू नुस्खे

त्वचा को हेल्दी और जवां रखने के लिए फॉलो करें ये नाइट क्रेयर रुटीन, झुरियों की होगी छुट्टी

त्वचा संबंधी परेशनियों में झुरियों की समस्या भी शामिल है। झुरियों के कारण फेस पर फाइन लाइंस आने लगती है और त्वचा की कसावट कम हो जाती है। हालांकि झुरियों की समस्या अधिकतर बढ़ती उम्र में नजर आती है। लेकिन कई बार अनहेल्डी लाइफस्टाइल के कारण यह कम उम्र में भी चेहरे पर नजर आ सकती है। अनहेल्डी लाइफस्टाइल में तावां लेना, जकड़ का अधिक सेवन करना और देरी से सोना आदि शामिल है। वहाँ खासकर नाट्ट रुटीन से जुड़ी कई अनहेल्डी आदतें रिकल्स का कारण बन सकती हैं। क्योंकि ताव त्वचा के समय आपकी रिकल्स की हील और रियर होने का समय मिलता है। ऐसे में आप रात में कुछ स्किन के क्रेयर रुटीन अपनाती हैं, तो झुरियों का खतरा काफी हृद तक कम हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्पण बताने जा रहे हैं, जो आपकी त्वचा को हेल्दी और जवां रखने में मदद करेंगे।

सिल्क का तकिया

सोने के दौरान सिर्फ़ सिल्क का तकिया इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि सिल्क आपकी सिल्क में नमी को बनाए रखता है। ऐसे में यदि आप रात में आर सिल्क की तकिया पर खासकर भी रख लेंगे, तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान नहीं होगा।

मेकअप रिमूव करें



अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जो गेजाना मेकअप करती हैं, तो रात में सोने के दौरान मेकअप करना न भूलें। क्योंकि मेकअप में तमाम सारा कैमिकल मौजूद होता है, जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए फेसबॉन्स कर रिकल्स करें। इससे आपकी त्वचा हाइड्रेट रहती है।

स्किन को मॉइस्चराइज करें

रात को सोने से पहले अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज करना न भूलें। क्योंकि मेकअप में तमाम सारा कैमिकल मौजूद होता है, जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए फेसबॉन्स कर रिकल्स करें। इससे आपकी त्वचा स्मृद और सॉफ्ट बनती है।

स्क्रीन टाइम करें कंट्रोल

स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। क्योंकि स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू रेज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए सोने से करीब 1 घंटे पहले से मोबाइल का इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। वहाँ सोने से पहले स्क्रीन के क्रेयर रुटीन और दियाग को रिलैक्स करने वाली एक्टिविटी कर सकते हैं।

क्लर्नीजिंग है जैसी

सोने से पहले क्लर्नीजिंग करना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि प्रैरो दिन में धूल-धूप और मिट्टी के संपर्क में आपने से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आप आप सोने से पहले क्लर्नीजिंग नहीं करती हैं, तो स्क्रीन सेल्स में गंदी जमने लगती है। इसलिए सोने से पहले क्लर्नीजिंग जरूर करें, इससे आपकी त्वचा हेल्दी और जवां बनी रहेगी।

कैफीन करें अवॉर्ड

कई लोग रात में सोने के दौरान चाय या कॉफी का सेवन करते हैं। चाय और कॉफी में कैफीन पाया जाता है, जो आपकी त्वचा को ड्राइ बना सकता है। वही कैफीन का सेवन करने से आपकी नींद प्रीभावित हो सकती है। जॉकिं बर्स कर्सल्स के बान सकती है। इसलिए आप आपकी त्वचा स्मृद और सॉफ्ट बनती है।

ऐसा को आदत है, तो सोने से करीब 4-5 घंटे पहले इसका सेवन करना चाहिए।

कपड़ों पर प्रेस करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बस धोते समय कर लें यह एक काम



जब हम कपड़े धोते हैं तो अक्सर इनमें सिकुड़न आ जाती है। ऐसे में आप कपड़ों के रिकल्स को दूर करने के लिए सभी प्रेस का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार होता है कि जल्दी की वजह से या भागदाढ़ भरी जिसी के चलते

कपड़ों पर प्रेस नहीं कर पाते हैं, तो इस स्थिति में हमें कपड़ों को लॉन्ड्री में देने की जरूरत पड़ जाती है। लेकिन, आप अपने कपड़ों को धोते और सुखाने वाले ही कुछ स्टेप्स को फॉलो करें, तो आपके कपड़े धौंपड़ी से सुखते हैं।

कपड़े धोते समय न करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

- कपड़े सुखाने के लिए अगर आप रसी या कॉफी रेस्टेंड का इस्तेमाल करते हैं, तो इसे फैलने से पहले अच्छी तरीके से बाहर नहीं कर सकते हैं।

कपड़े धोते समय न करें ये

- कपड़ों को ठंडे पानी से धोएं, क्योंकि गर्म पानी में कपड़ों को धोने से उसमें सिकुड़न आ जाती है और ऐसे प्रेस करने की जरूरत पड़ सकती है।

- कपड़ों को सुखाने के लिए हैंगर का इस्तेमाल करें। बिना प्रेस करने की जरूरत नहीं है।

बिना प्रेस करने की जरूरत नहीं है

- कपड़ों को सुखाने के लिए हैंगर का इस्तेमाल करें। यह आपको धौंपड़ी को धोने से बचाता है। इससे कपड़ों को धोने से धोएं। इससे सिकुड़न हो सकती है।

- कपड़ों को सुखाने के लिए हैंगर का इस्तेमाल करें। यह आपको कपड़ों को धोने से बचाता है। इससे कपड़ों को सुखाने के लिए हैंगर का इस्तेमाल करें।

बिना प्रेस करने की जरूरत नहीं है

- कपड़ों को सुखाने के लिए हैंगर का इस्तेमाल करें। यह आपको कपड़ों को धोने से बचाता है। इससे कपड़ों को सुखाने के लिए हैंगर का इस्तेमाल करें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें ये

- कपड़ों को ज्यादा देर तक ड्रायर में न रखें। बस हल्का सा पानी निकलने के बाद ही इसे ड्रायर से बाहर कर दें। फिर, उन्हें हवा में सूखने दें।

कपड़ों को सुखाने के लिए फॉलो करें

रूस में चार भारतीय मेडिकल छात्र नदी में डूबे

मास्को। रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक तेज बहाव बाली नदी में डूबने से चार भारतीय मेडिकल छात्रों की मौत हो गई। मनो बालों सभी छात्र घर्षण अनंतर देसाल, जिशान अशपाक पिंजरी, जिया फिरोज जिंजरी और मलिक युलामास थो मोहम्मद याकब महाराष्ट्र के जलालाबाद के रहने वाले थे। वे नोनोरोड स्ट्रीट यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। स्थानीय लोगों ने उनके साथ माझूद निशा धूरें सोनावें के बचा लिया। अब तक बोल्खोवन नदी से दो शव निकाले गए हैं। बाकी की तराश जारी है।

सभी अपने साथ पढ़ने वाली एक छात्रा को बचानी की कोशिश में डूब गए। उनकी ऊंच 18 से 20 वर्ष के बीच थी। जिशान और जिया महाराष्ट्र के जलालाबाद के अमलमन के रहने वाले थे। वह भार्द-बहन थे। घर्षण देसाले जलालाबाद के ही



■ नोनोरोड स्ट्रीट यूनिवर्सिटी में कार रहे थे पड़ाई

मेडिकल सुविधा दी जा रही है। एक छात्र जिशान के परिजन ने बताया कि सभी छात्र शाम को खाली समय में बोल्खोवन नदी के किनारे दूल रहे थे। अबाकाम ब्रिंजल विश्वविद्यालय और स्थानीय अधिकारियों के सपर्क में हैं और हम संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उनके पिता और परवान के अन्य लोग जिशान और सभी छात्रों से पानी से बाहर निकलने को लगातार कह रहे थे, तभी तेज लहर उड़े बहा ले गई।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद ने पीएम मोदी को दी जीत की बधाई

नई दिल्ली। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलामान ने लोकसभा चुनाव में नेंद्र मोदी को उनकी जीत पर बधाई दी। सद्भवना का यह संकेत सऊदी अरब और भारत के बीच मजबूत राजनयिक संबंधों का प्रतीक है और दोनों देशों के बीच साझा आपसी सम्पन्न और सहयोग को उजागर करता है।

सऊदी अरब के बिदेश मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलामान ने भारतीय प्रधान मंत्री नेंद्र मोदी को आम चुनावों में उनकी राजनीतिक पार्टी की जीत पर बधाई दी। अबाकाम एस जिशानकर के साथ बातचीत में विदेश मंत्री सीनेटर पेनी लिखा, इस दोस्त उड़ेने कहा, आज मेरी बोंग से बात करके अच्छा लगा। मोदी सरकार के तीसरे कार्यालय के लिए उनकी शुभकामनाओं की सुरक्षा करता है। यह बात बिदेश मंत्री एस जिशानकर के लिए अस्ट्रेलिया के साथ बातचीत में विदेश मंत्री सीनेटर पेनी लिखा, इस दोस्त उड़ेने कहा, आज मेरी बोंग से बात करके अच्छा लगा। मोदी सरकार के तीसरे कार्यालय के लिए अस्ट्रेलिया के साथ बातचीत में विदेश मंत्री सीनेटर पेनी लिखा, इस दोस्त उड़ेने कहा, आज मेरी बोंग से बात करके अच्छा लगा।



जिशानकर ने भारत-अस्ट्रेलिया मित्रता की स्थायी ताकत में अपने विश्वास पर जो दिया और इसकी निरंतर समझदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टी की। जिशानकर ने एक्स पर एक पोर्ट भी लिखा, इस दोस्त उड़ेने कहा, आज मेरी बोंग से बात करके अच्छा लगा। अबाकाम एस जिशान ने एक्स पर एक पोर्ट भी लिखा, इस दोस्त उड़ेने कहा, आज मेरी बोंग से बात करके अच्छा लगा।

भारतीय विश्वविद्यालयों की विश्व रैकिंग में हुई बढ़ोतारी

पीएम मोदी ने दी बधाई



पर ध्यान केंद्रित किया है। यह क्यूएस बल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में दर्शाया जाता है। छात्रों और स्थानीयों का उद्देश्य ऐसी विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे और दिल्ली ने वैश्विक स्तर पर टांप 150 विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आईआईटी दिल्ली 47 अंक ऊपर चढ़कर विश्व स्तर पर 150वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि दिल्ली ने प्रतिवर्ष एक विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया। बाकी दो विश्वविद्यालयों की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

नेंद्र मोदी के बढ़ोतारी के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

पिछले एक दशक में, भारत ने रैकिंग में अपना प्रतिवर्षित 318 प्रतिवर्ष लोकसभा चुनाव को गुणात्मक बदलावों के लिए अवधारणा और विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे और दिल्ली ने वैश्विक स्तर पर 150 विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे और दिल्ली ने वैश्विक स्तर पर 150 विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है।

का आकलन करने के लिए एक महाविष्णु बैचमार्क के रूप में काम करती है।

छाक्रोली साइमेंट्स (क्यूएस) की तरफ से जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग 2025 से पता चला है कि भारतीय टेक्नोलॉजी बॉम्बे और दिल्ली ने वैश्विक स्तर पर टांप 150 विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आईआईटी दिल्ली 47 अंक ऊपर चढ़कर विश्व स्तर पर 150वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि दिल्ली ने प्रतिवर्ष एक विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया। मालूम हो कि यह मान्यता अपने उच्च विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया। बाकी दो विश्वविद्यालयों की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

पर ध्यान केंद्रित किया है। यह क्यूएस बल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में दर्शाया जाता है। छात्रों और स्थानीयों का उद्देश्य ऐसी विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आईआईटी दिल्ली 47 अंक ऊपर चढ़कर विश्व स्तर पर 150वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि दिल्ली ने प्रतिवर्ष एक विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

पर ध्यान केंद्रित किया है। यह क्यूएस बल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में दर्शाया जाता है। छात्रों और स्थानीयों का उद्देश्य ऐसी विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आईआईटी दिल्ली 47 अंक ऊपर चढ़कर विश्व स्तर पर 150वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि दिल्ली ने प्रतिवर्ष एक विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

पर ध्यान केंद्रित किया है। यह क्यूएस बल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में दर्शाया जाता है। छात्रों और स्थानीयों का उद्देश्य ऐसी विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आईआईटी दिल्ली 47 अंक ऊपर चढ़कर विश्व स्तर पर 150वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि दिल्ली ने प्रतिवर्ष एक विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

पर ध्यान केंद्रित किया है। यह क्यूएस बल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में दर्शाया जाता है। छात्रों और स्थानीयों का उद्देश्य ऐसी विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आईआईटी दिल्ली 47 अंक ऊपर चढ़कर विश्व स्तर पर 150वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि दिल्ली ने प्रतिवर्ष एक विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

पर ध्यान केंद्रित किया है। यह क्यूएस बल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में दर्शाया जाता है। छात्रों और स्थानीयों का उद्देश्य ऐसी विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आईआईटी दिल्ली 47 अंक ऊपर चढ़कर विश्व स्तर पर 150वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि दिल्ली ने प्रतिवर्ष एक विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

पर ध्यान केंद्रित किया है। यह क्यूएस बल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में दर्शाया जाता है। छात्रों और स्थानीयों का उद्देश्य ऐसी विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आईआईटी दिल्ली 47 अंक ऊपर चढ़कर विश्व स्तर पर 150वें स्थान पर पहुंच गया है। बता दें कि दिल्ली ने प्रतिवर्ष एक विश्वविद्यालय (डीवी) को अपने गेजेसन की उपलब्धि के लिए आयोग के बढ़ाव दिया।

पर ध्यान केंद्रित किया है। यह क्यूएस बल्ड यूनिवर्सिटी रैकिंग में दर्शाया जाता है। छात्रों और स्थानीयों का उद्देश्य ऐसी विश्वविद्यालयों में स्थान हासिल किया है। आईआईटी बॉम्बे ने उड़ेखानीय रूप से अपनी रैक में 31 रैक के बढ़ोतारी के साथ 149 से 118 तक सुधार किया है, जबकि आ

टोयोटा किलोरकर मोटर ने टोयोटा यूज्ड कार आउटलेट (टीयूसीओ) सुविधा शुरू की

बेरेली। ग्राहक सभसे पहले के कारों की खरीद और बिक्री की प्रक्रिया के दौरान सुविधा, पारदर्शिता



प्रतिवद्धता दिखाते हुए, टोयोटा किलोरकर मोटर (टीकेएम) ने आज नई दिल्ली में अपनी पहली, कंपनी के स्वामिल बाली टोयोटा यूज्ड कार आउटलेट (टीयूसीओ) का उद्घाटन किया। यह भारत में दूसरा है, जिसका ब्रांड नाम +टोयोटा यू-ट्रट्ट+ है। ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता बाली और सुरक्षित यूज्ड (प्रयुक्त) कारों प्रदान करने के उद्देश्य से टोयोटा, यू-ट्रट्ट टोयोटा

और मन की शांति प्रदान करता है। बिक्री के बाद सेवा के प्रति सच्चे टोयोटा ग्राहक केरिट ड्रिफ्टिंग को दर्शाते हुए, टीयूसीओ प्रमाणित प्रयुक्त कारों को देख भर में किसी भी टोयोटा सर्विस केंद्र पर 30,000 किमी या दो साल तक दर्शाते हुए, जिसका ब्रांड नाम +टोयोटा यू-ट्रट्ट+ है। ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता बाली और सुरक्षित यूज्ड (प्रयुक्त) कारों प्रदान करने के उद्देश्य से टोयोटा, यू-ट्रट्ट टोयोटा

सुनिश्चित करता है। टोयोटा किलोरकर मोटर के वाइस प्रेसिडेंट श्री लाकशी ताकिमिया ने प्रयुक्त कार कारोबार पर कंपनी के बढ़ते फोकस के बारे में जानकारी देते हुए कहा, +भारत में टोयोटा के समग्र व्यवसाय और बिकास रणनीति का एक प्रमुख संस्थान प्रयुक्त कार व्यवसाय है, जो सभी के लिए जाता है विक्रेताओं के लिए, गतिशीलता के हाथों द्रष्टिकोण से भी निकटता से जुड़ा हुआ है। इसलिए,

भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि से स्टार्टअप इकाइयों की घर वापसी हुई तेज

नई दिल्ली (हिस.)। वाणिज्य संचिव सुनील बर्थवाल ने कहा है कि भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि के चलते पूंजी तक पहुंच और कर लाभ के लिए विदेश जाने वाले स्टार्टअप अब +एरो-लोटेर+ हैं। बर्थवाल ने बताया कि भारत की विकास रथ अन्य उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में लगभग दोगुनी है।

सिंगापुर में भारत-प्रशांत आर्थिक ढाँचे (आईईएफ) स्वच्छ अर्थव्यवस्था निवेशक फोरम के उद्घाटन के अवसर पर उहोंने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ-साथ ही कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी उभरती हुई ब्रैंडों द्वारा बाजार में अपनी प्राप्तियों की विक्रेताओं के लिए, गतिशीलता के हाथों द्रष्टिकोण से भी निकटता से जुड़ा हुआ है। इसलिए,



विदेश चले गए थे, अब स्वदेश लौट रहे हैं। उहोंने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि कैसे डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ-साथ ही भारत के निजी क्षेत्र और सरकारी अधिकारी भारतीय विकास के लिए यह समझौता जापान के लिए परियोजना सेवा प्रदाता के रूप में दोनों सम्मानों को नामित करता है। इस समझौता जापान पर अधिकारिक रूप से डीप्पम अरारी, इमारस्ट्रक्टर पार्टनर्स, गारंटको, प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्टर डेवलपमेंट ग्रुप (पीआईडीजी), गोल्डमैन सैक्स, आई स्कैप्यूर्ड कैपिटल, मिश्नो बैंक डिजिटेड, एडवॉटेज पार्टनर्स, नेस्पा, डीबीएस बैंक और सिटी बैंक जैसे निवेशक और वित्तीय संस्थान फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया। इनमें अमेरिका, सिंगापुर, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और अन्य देशों के विविध निवेशकों साथ ही भारत के निजी क्षेत्र और सरकारी अधिकारी भारतीय विकास के लिए यह समझौता जापान के लिए परियोजना करना है।

बर्थवाल ने बताया कि कैसे यह मजबूत वृद्धि विर्स प्रिलिंपिंग की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दे रही है, जबकि भारतीय स्टार्टअप जो कभी पूंजी तक पहुंच का विसर्जन करते हुए युक्त हैं।

बर्थवाल ने बताया कि कैसे यह मजबूत वृद्धि विर्स प्रिलिंपिंग की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दे रही है, जबकि भारतीय स्टार्टअप जो कभी पूंजी तक पहुंच का विसर्जन करते हुए युक्त हैं।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भारतीय फर्मों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया।

बैठक में विश्वक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों से 60 से अधिक प्रतिवर्षियों ने भाग लिया, जबकि वैश्वक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 15 से ज्यादा भ

थाना दिवस व समाधान दिवस के लिए रोस्टर जारी

अवधनामा ब्लूरो

कुशीनगर। जिलाधिकारी अंग्रेजी में आयोजित होने वाले द्वितीय एवं तीर्थ शनिवार के आयोजित थाना दिवस/समाधान दिवस के सफल संचालन हेतु उप जिलाधिकारी खड़ा व पुलिस उपायीकरण खड़ा, थाना नेबुआ नैरीगी में नायब तहसीलदार खड़ा व संबंधित थानाध्यक्ष, थाना पटहरेवा में उप जिलाधिकारी को नामित किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि दिनांक 08-06-2024 के दिन थाना एवं पठानीपौरा के रूप में उप जिलाधिकारी तथा क्षेत्राधिकारी पड़ोना व संबंधित थानाध्यक्ष, थाना जट्ठा बाजार में पठेंवेक चकबंदी अधिकारी पड़ोना व संबंधित थानाध्यक्ष, थाना जट्ठा बाजार में नायब तहसीलदार पठानीपौरा व संबंधित थानाध्यक्ष, थाना कोतवाली पठानीपौरा, थाना रविंदनगर में नायब तहसीलदार पठानीपौरा व संबंधित थानाध्यक्ष, थाना करनपद में उप जिलाधिकारी कस्या तथा चौराखास में नायब तहसीलदार कस्या व जिलाधिकारी ने इसी प्रकार 22 जून 2024, 13 जुलाई 2024, 10 अगस्त 2024 व 24 अगस्त 2024 तक का गोदान नायब तहसीलदार हाटा व अहरौती बाजार में तहसीलदार हाटा व

थानाध्यक्ष, थाना कस्तानांज में उप जिलाधिकारी तथा संबंधित थानाध्यक्ष, थाना नायब तहसीलदार पठानीपौरा व संबंधित थानाध्यक्ष, थाना जट्ठा बाजार में नायब तहसीलदार तमकुहीरज व थानाध्यक्ष, थाना तुरुपंडी में नायब तहसीलदार तमकुहीरज व थानाध्यक्ष, थाना कुरुक्षेत्र स्थान में तहसीलदार पठानीपौरा व संबंधित थानाध्यक्ष, थाना कोतवाली पठानीपौरा, थाना रविंदनगर में नायब तहसीलदार पठानीपौरा व संबंधित थानाध्यक्ष, थाना करनपद में उप जिलाधिकारी कस्या तथा चौराखास में नायब तहसीलदार कस्या व जिलाधिकारी ने इसी प्रकार 22 जून 2024, 13 जुलाई 2024, 10 अगस्त 2024 व 24 अगस्त 2024 तक का गोदान नायब तहसील स्थानीय अधिकारी है।

विजय का विजय रथ रोकने में नाकाम रहे स्वामी स्वामी को जनता ने किया नापसंद, जमानत हुई जब्त

अवधनामा ब्लूरो

एमएलसी और महासचिव का छोड़ा पद



कुशीनगर। हिंदू देवताओं पर अपीलिंगनक टिप्पणी कर हमेशा अपनी धूर्घा करने वाले गायें शोषित समाज पार्टी के सुप्रीमो स्वामी प्रसाद मौर्य कुशीनगर लोकसभा सीट से ○ खाली छोड़ किसी विहानसभा में नहीं कर पाए दस हजार का आंकड़ा पार

भाजपा के विजय द्वारा का विजय रथ रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे। हालांकि मौर्य ने विजय का विजय रथ रोकने के लिए अपने तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ा था, और वैसी और रावण को बुलाकर जनसभा भी की। इसके बाद जूद भाजपा का परचम बुलाया रहा। बात दें कि लगातार रामरावती मानस का व हिन्दू देवी-देवताओं पर टिप्पणी करने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा छोड़कर अपनी पार्टी का गठन किया।

लोक सभा चुनाव का बिलु बजते ही आईनडीआई गठबंधन का हिस्सा बनने के लिए स्वामी ने काफी जदोजहाड़ किया किन्तु कुशीनगर का हिस्सा नहीं करना पाए। इसके बाद जूद भाजपा का अपने तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ा था, और वैसी और रावण को बुलाकर जनसभा भी की। इसके बाद जूद भाजपा का प्रत्याशी घोषित करने के बाद मौर्य गठबंधन का हिस्सा बनने के लिए कि जदोजहाड़ करने लगे लेकिन जब सफलता हाय नहीं लगी तो वह अपनी पार्टी से ही विजय का विजय रथ के लिए जब सफलता हाय नहीं लगी तो उत्तर जये। मौर्य के बुलायी रणभूमि में उत्तर से ऐसा लग रहा था कि भाजपा का टेंशन बढ़ाया किन्तु ऐसा कुछ नहीं हुआ और भाजपा इस सीट पर अपनी जीत को हांसिक लगाने की योजना अंजाम देने में सफल रही।

दलित-पिछड़े गोटर है निर्णयाक

ऐसा कहा जाता है कि कुशीनगर लोकसभा सीट पर दलित और पिछड़े वर्ग के गोटर निर्णयाक भूमिका निभाते हैं। पूरे बुनाव में भाजपा, सपा, बसपा और स्वामी प्रसाद मौर्य जातीय समीकरण के सहारे जीत का गुण-भाग उत्तर ले जाते हैं। इसके पार कुल मतदाताओं की संख्या तकीन 187522 लाख है। कुशीनगर लोकसभा के राजनीतिक विसात पर जीतनिंत समीकरण की बात की जाए तो अनुसूचित के 15 फीसदी वोटर बड़ी भूमिका निभाते हैं। वहीं, इस सीट पर 14 फीसदी मुस्लिम वोटर, 12 फीसदी सेंधवार और 8 फीसदी यादव वोटर बैंक के दर पर सपा प्रत्याशी अपनी जीत सुविधित करने में चुने रहे हैं। इसके अलावा कुशीनगर लोकसभा तक तादाद 13 फीसदी है। इधर स्वामी प्रसाद मौर्य दलित और कुशीनगर लोटोरों के दम पर भाजपा के विजय रथ को रोकने का मुंगेरीलाल का सपना देख रहे थे जो सपना बनकर रह गया।

जातीय समीकरण के आधार पर भाजपा को हराने की गज से चुनावी मैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी से क्षमा प्राप्ति के बावजूद जातीय समीकरण की विजय रथ को रोकने का मुंगेरीलाल का विजय रथ रोकने का विजय रथ को रोकने का अवक्तु रहा।

कॉन्फिंडेंस के जब्ता को चकनाचूर कर दिया। अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

कॉन्फिंडेंस के जब्ता को चकनाचूर कर दिया। अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।

अपनी जमानत भी नहीं भैदान में दम भरा रहा था। लेकिन कुशीनगर की मौर्यी के ओवर

इसके लिए उप विदेशक कार्यालय पर आयोजित करने की जीत नहीं छोड़ी रही।</

હર ઘર નલ યોજના કા બુરા હાલ સમી કાર્ય અપૂર્ણ

- ટેસ્ટિંગ મેં હી ફેલ હો ગઈ યોજના

અવધાનામા સંવાદદાતા

ભરુઆ સુમેરપુરા। હર ઘર નલ યોજના કા ગ્રામીણ ક્ષેત્રોમાં બુરા હાલ હૈ તોન વર્ષ પૂર્વ ખોદી ગઈ સંક્રમણો કો આજ તક નહીં બનાયા ગયા હૈ। ઇસમાં લોગોની ચલાના ફિના દૂધા હૈ। વહી બ્લોક કો 41 ગ્રામ પંચાયતોને તક પાણી મુહૂરી કરાને કે લેણે પચ્ચાખુરા બુર્જામાં બનાયા ગયા। કાર્ય કેન્દ્ર પહોંચેણાં મંદી ઘઢમાં હો ગયા થા ઔર આંદ્રા ગાંબ જલમાન હુંબા થા તથા સે અબ તક ઇસકો દુબારા ટેસ્ટ નહીં કિયા ગયા હૈ। ઇસકે અલાવા બ્લોક મેં અંધી તક મુખ્ય લાંબા કાર્ય ભી પૂરી તરફ સે પૂર્ણ નહીં હો સકા હૈ। ઇસી બીચ બાર-બાર દાબ કિયા જા રહ્યું હૈ કે જલ જાળપૂર્ણ શુશ્રૂ હોયો। છે. માન પૂર્વ હું ટેસ્ટિંગ મેં મુખ્ય પદ્ધતિ લાંબ ક્ષેત્ર મેં કર્ય જાહ સે ફટ ગઈ થી। ઇસકે બાદ જલાપૂર્ણ નહીં હું હૈ। ગાંબોની કે અંદર પાછપ લાંબ બિલાને કે લિએ ખોદી ગઈ રાતાઓની કો બુરા હાલ હૈ। પાઇપલાઇન ઇન્કોન અરાસીસી ડાલાનું ઠીક કિયા જાના થા પાછપ 2 વર્ષ સે અધિક સમય બીત્જી જાને કે બાદ જાણે કે લિએ ખોદી ગઈ રાતાઓની કો બુરા હાલ હૈ। પાઇપલાઇન ફન્ટને કે કારાણ પચ્ચાખુરા કી આશી આબાદી જલ માન હો ગઈ થી। તથ સે અબ તક દુબારા ટેસ્ટિંગ પાર સ્વચ્છ જલ પછુંચેણા। જો લોગોની કો ગલે નહીં ઉત્તર રહે હૈ। સુમેરપુરા એં મૌદ્દાબાની બ્લોક કે ગાંબોની કો સ્વચ્છ જલ મુહૂરી કરાને કે લેણે પચ્ચાખુરા ગાંબોની કો સમાપ્ત યમુના નદી મેં ઇંટેક્બેલ બનાયા ગયા હૈ। ઇસકા કાર્ય લગભગ પૂર્ણ હો ગયા હૈ। પાઇપલાઇન ફન્ટને કે કારાણ પચ્ચાખુરા કી આશી આબાદી જલ માન હો ગઈ થી। તથ સે અબ તક દુબારા ટેસ્ટિંગ પાર નાની દેણે કે લેણે ઇંટેક્બેલ સે



સુમેરપુરા હર ઘર નલ યોજના કા ગ્રામીણ ક્ષેત્રોમાં બુરા હાલ હૈ તોન વાં વર્ષ પૂર્વ ખોદી ગઈ સંક્રમણો કો આજ તક નહીં બનાયા ગયા હૈ। ઇસમાં લોગોની ચલાના ફિના દૂધા હૈ। વહી બ્લોક કો 41 ગ્રામ પંચાયતોને તક પાણી મુહૂરી કરાને કે લેણે પચ્ચાખુરા બુર્જામાં બનાયા ગયા। કાર્ય કેન્દ્ર પહોંચેણાં મંદી ઘઢમાં હો ગયા થા ઔર આંદ્રા ગાંબ જલમાન હુંબા થા તથા સે અબ તક ઇસકો દુબારા ટેસ્ટ નહીં કિયા ગયા હૈ। ઇસકે અલાવા બ્લોક મેં અંધી તક મુખ્ય લાંબા કાર્ય ભી પૂરી તરફ સે પૂર્ણ નહીં હો સકા હૈ। ઇસી બીચ બાર-બાર દાબ કિયા જા રહ્યું હૈ કે જલ જાળપૂર્ણ નહીં હું હૈ। ગાંબોની કે અંદર પાછપ લાંબ બિલાને કે લિએ ખોદી ગઈ રાતાઓની કો બુરા હાલ હૈ। પાઇપલાઇન બિલાને કે બાદ અરાસીસી ડાલાનું ઠીક કિયા જાના થા પાછપ 2 વર્ષ સે અધિક સમય બીત્જી જાને કે બાદ જાણે કે લિએ ખોદી ગઈ રાતાઓની કો બુરા હાલ હૈ। પાઇપલાઇન ફન્ટને કે કારાણ પચ્ચાખુરા કી આશી આબાદી જલ માન હો ગઈ થી। તથ સે અબ તક દુબારા ટેસ્ટિંગ પાર નાની દેણે કે લેણે ઇંટેક્બેલ સે

ચુનાવ સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી બંદ હોને સે કિસાન વ્યાપારી પરેશાન, ડીએમ કો મેજી શિકાયત



અવધાનામા સંવાદદાતા

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને કી શિકાયત આદિતોનો વ કિરાતોનો ન રેખે થે। મતાગણન કા કાર્ય સંપન્ન ન રેખે થે।

કારોબાર કે લેણે મંડી ખોલેણે જાને કી માંગ કી હૈ। લોકસભા ચુનાવ કો સંપન્ન કરાને કે લેણે પ્રશાસન કિરાત ને ઇસી બાર ગલ્લા મંડી કો પૂરી તરફ સે અધિગ્રહિત કરાને આદિતોનો કો બાહર કા રાસ્તા દિલા દિયા થા। મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન રેખે થે। શિનાવાર કો કારોબાર કે લેણે મંડી ખોલેણે કી પ્રયાસ કિરાત ને જાને કી માંગ કી હૈ।

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને કી શિકાયત આદિતોનો વ કિરાતોનો ન રેખે થે। મતાગણન કા કાર્ય સંપન્ન ન રેખે થે।

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને કી શિકાયત આદિતોનો વ કિરાતોનો ન રેખે થે। મતાગણન કા કાર્ય સંપન્ન ન રેખે થે।

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને કી શિકાયત આદિતોનો વ કિરાતોનો ન રેખે થે। મતાગણન કા કાર્ય સંપન્ન ન રેખે થે।

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને કી શિકાયત આદિતોનો વ કિરાતોનો ન રેખે થે। મતાગણન કા કાર્ય સંપન્ન ન રેખે થે।

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને કી શિકાયત આદિતોનો વ કિરાતોનો ન રેખે થે। મતાગણન કા કાર્ય સંપન્ન ન રેખે થે।

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને કી શિકાયત આદિતોનો વ કિરાતોનો ન રેખે થે। મતાગણન કા કાર્ય સંપન્ન ન રેખે થે।

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને કી શિકાયત આદિતોનો વ કિરાતોનો ન રેખે થે। મતાગણન કા કાર્ય સંપન્ન ન રેખે થે।

સુમેરપુરા હરીએપુરા। લોકસભા ચુનાવ સંપન્ન કરાને કે લેણે અંધગીરીની કી ગઈ ગલ્લા મંડી કો ચુનાવ પ્રક્રિયા સંપન્ન હોને કે બાદ મંડી સર્વિચ ડ્રાંગ ખાલીની ન કિરાત જાને ક

